भारत – बोत्सवाना संबंध

बोत्सवाना के साथ भारत के संबंध मधुर एवं मैत्रीपूर्ण हैं। भारत ने 1966 में बोत्सवाना की आजादी के तुरंत बाद बोत्सवाना के साथ राजनयिक संबंध स्थातिप किए तथा 1987 में गैबरोन में अपना राजनयिक मिशन खोला। बोत्सवाना ने 2006 में नई दिल्ली में अपना मिशन खोला। बोत्सवाना दक्षिण अफ्रीकी विकास समुदाय (एस ए डी सी), दक्षिण अफ्रीकी सीमा शुल्क संघ (एस ए सी यू), डब्ल्यू टी ओ और अन्य अंतर्राष्ट्रीय संगठनों का सदस्य है।

द्विपक्षीय यात्राएं :

बोत्सवाना के आजाद होने के बाद से दोनों देशों के बीच उच्च स्तर पर अनेक यात्राएं हुई हैं जो इस प्रकार हैं : ये इस प्रकार हैं :

- पूर्व राष्ट्रपति फेस्टस मोगाए ने मई, 2005 और दिसंबर, 2006 में दो बार भारत का दौरा किया। दिसंबर, 2006 में भारत की उनकी राजकीय यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने के लिए अनेक क्षेत्रों की पहचान की गई। स्वास्थ्य एवं शिक्षा क्षेत्र के लिए 50 – 50 मिलियन रूपए के सहायता अनुदान तथा 20 मिलियन अमरीकी डालर की ऋण सहायता की भी घोषणा की गई।

- एक उच्च स्तरीय कारोबारी शिष्टमंडल के साथ भारत के उप राष्ट्रपति ने 9 से 11 जनवरी, 2010 के दौरान बोत्सवाना का दौरा किया। इस यात्रा के दौरान, शैक्षिक आदान – प्रदान कार्यक्रम तथा कृषि के क्षेत्र में सहयोग के लिए करारों पर हस्ताक्षर किए गए। भारत के उप राष्ट्रपति की यात्रा से भारत के बारे में जागरूकता में वृद्धि हुई तथा बोत्सवाना सरकार द्वारा इसकी खूब प्रशंसा की गई। कारोबारी शिष्टमंडल ने निवेश में वृद्धि, संयुक्त उद्यमों के लिए संभावनाओं का पता लगाया तथा भारत की ओर से विनिर्मित माल, मशीनरी, भेषज पदार्थ, आई टी सी उपकरण आदि के निर्यात की संभावना का पता लगाया गया।

- बोत्सवाना के उप राष्ट्रपति श्री मोपाती मेराफ्हे ने जून, 2010 में भारत की यात्रा की। उनकी यात्रा के दौरान, दोनों देशों ने विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा एम एस एम ई / एस एम एम ई क्षेत्रों में सहयोग के लिए करार पर हस्ताक्षर किए। इस यात्रा के दौरान, भारत के राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम (एन एस आई सी) और बोत्सवाना के स्थानीय उद्यम प्राधिकरण (एल ई ए) के बीच एक एम ओ यू पर भी हस्ताक्षर किया गया। अपनी यात्रा के दौरान बोत्सवाना के उप राष्ट्रपति ने मुंबई में बोत्सवाना निर्यात विकास एवं निवेश प्राधिकरण (बी ई डी आई ए) का उद्घाटन भी किया।

- वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के नेतृत्व में एक 3 सदस्यीय शिष्टमंडल ने 18-19 सितंबर, 2011 को बोत्सवाना का दौरा किया। इस यात्रा के दौरान गैबरोन अंतर्राष्ट्रीय दीक्षांत समारोह केन्द्र (जी आई सी सी) में एक सी आई आई - बी ई डी आई ए व्यवसाय सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमें दोनों देशों के प्रमुख कारोबारियों ने भाग लिया।

- बोत्सवाना की राष्ट्रीय संसद की माननीय स्पीकर श्रीमती मारग्रेट नाशा ने नई दिल्ली में 3-4 अक्टूबर, 2012 को आयोजित संसद की महिला अध्यक्षों के अंतर संसदीय संघ सम्मेलन में भाग लेने के लिए भारत का दौरा किया। इस सम्मेलन का आयोजन भारतीय संसद तथा आई पी यू द्वारा किया गया।

- बोत्सवाना के खनिज, ऊर्जा और जल संसाधन मंत्री (एम एम ई डब्ल्यू आर) माननीय कित्सो मोकैला के नेतृत्व में एक तीन सदस्यीय शिष्टमंडल ने बोत्सवाना की कोयला खनन परियोजनाओं तथा ट्रांस कालाहारी रेल (टी के आर) परियोजना में भारतीय कंपनियों की भागीदारी की संभावना का पता लगाने के लिए 11 से 16 नवंबर 2013 के दौरान भारत का दौरा किया।

- तत्कालीन अपर सचिव (ई एंड एसए) श्री रवि बांगड़ ने 14 से 17 सितंबर, 2013 के दौरान गैबरोन का दौरा किया तथा बोत्सवाना के विदेश एवं अंतर्राष्ट्रीय संबंध मंत्रालय में स्थाई सचिव के साथ चर्चा की।

दोनों देशों द्वारा निम्नलिखित करारों पर हस्ताक्षर किए गए हैं :

1. सांस्कृतिक विनिमय करार जिस पर मई, 1997 में हस्ताक्षर किए गए
2. द्विपक्षीय व्यापार करार जिस पर जनवरी, 2001 में हस्ताक्षर किए गए
3. विदेश कार्यालय परामर्श के लिए प्रोटोकॉल जिस पर अक्टूबर, 2002 में हस्ताक्षर किए गए
4. द्विपक्षीय सहयोग के लिए करार जिस पर दिसंबर, 2006 में हस्ताक्षर किए गए
5. दोहरे कराधान के परिहार के लिए करार पर जिस पर दिसंबर, 2006 में हस्ताक्षर किए गए
6. सांस्कृतिक सहयोग कार्यक्रम जिस पर 2007 में हस्ताक्षर किए गए
7. अखिल अफ्रीकी ई-नेटवर्क परियोजना जिस पर 2008 में हस्ताक्षर किए गए तथा 16 अगस्त, 2010 को भारत के विदेश मंत्री द्वारा उद्घाटन किया गया।
8. कृषि में सहयोग के लिए एम ओ यू जिस पर जनवरी, 2010 में हस्ताक्षर किए गए
9. शैक्षिक विनिमय कार्यक्रम जिस पर जनवरी, 2010 में हस्ताक्षर किए गए
10. एमएसएमई / एस एम एम ई पर एम ओ यू जिस पर जून, 2010 में हस्ताक्षर किए गए
11. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी पर एम ओ यू जिस पर जून, 2010 में हस्ताक्षर किए गए
12. भारत के एन एस आई सी और बोत्सवाना के स्थानीय उद्यम प्राधिकरण के बीच एम ओ यू जिस पर 2010 में हस्ताक्षर किए गए
13. संयुक्त मंत्री स्तरीय आयोग की स्थापना के लिए करार जिस पर जनवरी, 2011 में हस्ताक्षर किए गए
14. बीडीएफ के कार्मिकों के प्रशिक्षण के लिए भारतीय सेना के कार्मिकों के समर्थन के लिए भारत और बोत्सवाना के बीच करार ज्ञापन जिस पर सितंबर, 2014 में हस्ताक्षर किए गए

बोत्सवाना के नागरिकों के लिए भारतीय छात्रवृत्तियां :

आई टी ई सी : भारत सरकार ने वर्ष 2015-16 के दौरान भारतीय तकनीकी एवं आर्थिक सहयोग स्कीम (आई टी ई सी) के तहत बोत्सवाना के नागरिकों को लेखा शास्त्र, प्रबंधन, आई टी एवं संचार आदि जैसे विभिन्न क्षेत्रों में 65 छात्रवृत्तियों की पेशकश की है जिनका बोत्सवाना सरकार द्वारा पूरी तरह उपयोग किया जाता है। बोत्सवाना रक्षा बल (बी डी एफ) को आई टी ई सी-II के तहत रक्षा से संबंधित क्षेत्रों में प्रशिक्षण पाठ्यक्रम की भी पेशकश की जाती है।

भारत अफ्रीका मंच शिखर सम्मेलन बोत्सवाना के उप राष्ट्रपति महामहिम श्री मोकगवीत्सी मसीसी ने 28 से 30 अक्टूबर 2015 के दौरान नई दिल्ली में आयोजित तीसरी भारत - अफ्रीका मंच शिखर बैठक में भाग लिया। उनके शिष्टमंडल में राष्ट्रपति कार्य एवं सार्वजनिक प्रशासन मंत्री माननीय एरिक मोलाले तथा वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे। उप राष्ट्रपति मसीसी ने शिखर बैठक के दौरान अतिरिक्त समय में माननीय प्रधानमंत्री से मुलाकात की।

पिछली आई ए एफ एस शिखर बैठकों के तहत लिए गए निर्णयों के अंग के रूप में भारत सरकार द्वारा पूर्णत: वित्त पोषित विशिष्ट प्रशिक्षण कार्यक्रम की विभिन्न क्षेत्रों में पेशकश की गई। ये प्रशिक्षण कार्यक्रम विभिन्न सरकारी तथा राज्य / निजी व्यावसायिक एवं अध्ययन संस्थाओं में आयोजित किए जाते हैं। अब तक इन विशिष्ट प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों से बोत्सवाना के 65 नामिती लाभांवित हुए हैं।

भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद : भारत सरकार भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद की विभिन्न छात्रवृत्ति स्कीमों के तहत बोत्सवाना के मेधावी छात्रों को छात्रवृत्तियों का प्रस्ताव करती है। ये छात्रवृत्तियां गैर चिकित्सा अवर स्नातक, स्नात्कोत्तर तथा शोध डिग्री स्तर पर हैं जिससे भारत के विभिन्न विश्वविद्यालयों में पी एचडी मिलती है। शैक्षिक सत्र 2012-13 से इन स्लाटों की संख्या बढ़ाकर 17 कर दी गई है।

व्यापार एवं वाणिज्य :

बोत्सवाना व्यवसाय अनुकूल माहौल प्रदान करता है तथा विदेशी निवेश का स्वागत करता है। बोत्सवाना डायमंड पर बहुत अधिक निर्भर है जो उसके जीडीपी का लगभग 40 प्रतिशत है तथा उसकी निर्यात आय का लगभग 70 प्रतिशत इस एकल प्राकृतिक संसाधन से आता है।

बोत्सवाना राज्य उद्यम जैसे कि स्थानीय उद्यम प्राधिकरण (एल ई ए), बोत्सवाना निवेश एवं व्यापार केंद्र (बी आई टी सी) और बोत्सवाना चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ने बोत्सवाना में लघु उद्योगों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है तथा सी आई आई, फिक्की दोनों देशों के बीच रोजगार के अवसरों का सृजन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

उप राष्ट्रपति मसीसी और उनके शिष्टमंडल ने 27 अक्टूबर 2015 को मुंबई में सी आई आई तथा बोत्सवाना निवेश व्यापार केन्द्र (बी आई टी सी) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित कारोबारी सेमिनार में भाग लिया। तीसरी भारत - अफ्रीका मंच शिखर बैठक में भाग लेने के लिए उप राष्ट्रपति भारत आए थे।

हाल के वर्षों में भारत की ओर से बोत्सवाना को जिन वस्तुओं का निर्यात किया गया है उनमें मुख्य रूप से विनिर्मित माल, मेटल, मशीनरी एवं उपकरण, कॉटन यार्न, फेब्रिक, रेडीमेंड गारमेंट्स, औषधियां एवं भेषज पदार्थ तथा परिवहन उपकरण शामिल हैं। हालांकि भारत के निर्यात एवं आयात के प्रतिशत की दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण नहीं है, फिर भी पिछले वर्षों की तुलना में द्विपक्षीय व्यापार एवं निवेश के आंकड़ों में उल्लेखनीय सुधार हुआ है : पिछले दो वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार में काफी वृद्धि हुई है तथा यह 2014-15 में 1057.35 मिलियन अमरीकी डालर पर पहुंच गया है जिसमें आयात (मुख्य रूप से डायमंड) का शेयर 1012.89 मिलयन अमरीकी डालर है। अप्रैल से सितंबर 2015-16 की अवधि के दौरान बोत्सवाना से आयात (मुख्य रूप से डायमंड) का मूल्य 302.66 मिलियन अमरीकी डालर था तथा इस अवधि के दौरान बोत्सवाना को निर्यात का मूल्य 30.05 मिलियन अमरीकी डालर था। (सांख्यिकी भारत सरकार के डी जी एफ टी आंकड़ों पर आधारित है)

नई दिल्ली में 2006 में बोत्सवाना मिशन के उद्घाटन तथा बोत्सवाना निर्यात विकास एवं निवेश प्राधिकरण (बी ई डी आई ए), जिसे अब बी आई टी सी कहा जाता है, के 2010 में मुंबई में प्रतिनिधि कार्यालय के उद्घाटन से द्विपक्षीय व्यापार एवं निवेश को गति मिली।

बैंक ऑफ इंडिया की पहली शाखा 9 अगस्त, 2013 को गैबरोन में स्थापित की गई; जबकि स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने गैबरोन में 26 नवंबर, 2013 को अपनी शाखा खोली। बैंक ऑफ बड़ौदा 2001 से बोत्सवाना में प्रचालन कर रहा है।

डायमंड एवं अन्य खनिजों में सहयोग :

बोत्सवाना खनिजों की दृष्टि से समृद्ध देश है तथा यहां खनन क्षेत्र में निवेश की प्रचुर संभावनाएं हैं जो अब तक ज्यादातर डि बियर्स एवं बोत्सवाना सरकार के नियंत्रण में हैं तथा उनके बीच दो कंपनियों हैं।

भारतीय डायमंड कंपनियों एवं व्यापारियों, विशेष रूप से गुजरात (सूरत) की कंपनियों एवं व्यापारियों ने रफ डायमंड खरीदने और मुख्य रूप से रफ डायमंड की कटिंग एवं पालिशिंग जैसे डायमंड क्षेत्र में डाउन स्ट्रीम उद्योगों में निवेश में गहरी रूचि का हमेशा प्रदर्शन किया है। इस समय तीन प्रमुख भारतीय कंपनियों - श्रेनुज, ब्लू स्टार और के जी के डायमंड के बोत्सवाना में कार्यालय और कारखानें हैं।

डायमंड के अलावा, बोत्सवाना में कोयला, कॉपर, निकिल, सोडा ऐश, नमक एवं यूरेनियम का भी विशाल भंडार है। बोत्सवाना अर्थव्यवस्था में खनिज क्षेत्र का अनुपात मोटेतौर पर 23 प्रतिशत है। विशाल कोयला भंडार की वजह से बोत्सवाना सरकार ने वर्ष 2012 के पूर्वार्ध में एक कोयला रोड मैप की घोषणा की है। विद्युत

उत्पादन के लिए भारत को कोयले के निर्यात के लिए अनेक भारतीय कंपनियों ने खनन क्षेत्र में व्यवहार्य निवेश के लिए संभावनाओं का पता लगाने में रूचि प्रदर्शित की है।

मैसर्स जिंदल स्टील एंड पावर लिमिटेड (जे एस पी एल) ने कोयला खनन एवं विद्युत उत्पादन के लिए सी आई सी एनर्जी (यह कनाडा की कंपनी है) का अधिग्रहण किया। जेएसपीएल ने ममांबुला कोल ब्लॉक एरिया में 300 मेगावाट की दो कोल फायर्ड विद्युत परियोजना स्थापित करने की योजना बनाई है, जहां कोयले का भारी भंडार पाया गया है।

भारतीय समुदाय :

मोटेतौर पर भारतीय मूल के 7000 से 8000 व्यक्ति बोत्सवाना में बस गए हैं, जिनमें से 3000 से 4000 लोगों ने बोत्सवाना की नागरिकता प्राप्त कर ली है। भारतीय समुदाय ने बोत्सवाना के आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है तथा समाज कल्याण की अनेक परियोजनाओं में भी भारतीय समुदाय मदद कर रहा है। बोत्सवाना में भारतीय समुदाय सेवा क्षेत्र जैसे कि खुदरा व्यापार, विनिर्माण तथा शिक्षण एवं लेखा के धंधों में लगा हुआ है। अधिकांश भारतीय प्रवासी गुजरात तथा दक्षिण भारत के राज्यों जैसे कि केरल, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु से गए हुए हैं। उन्होंने अपने भाषायी, धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं को जिंदा रखा है। बोत्सवाना को एक मजबूत धर्म निरपेक्ष देश के रूप में माना जाता है। इस देश ने सभी धर्मों को अपनी – अपनी धार्मिक प्रथाओं का पालन करने तथा पूजा के अपने – अपने स्थल स्थापित करने की छूट दे रखी है।

सांस्कृतिक गतिविधियां

बोत्सवाना में भारतीय समुदाय बहुत सक्रिय है। पांच हिंदू मंदिर, दो गुरूद्वारे और तीन मस्जिदें हैं। लगभग 12 भारतीय सामाजिक – सांस्कृतिक सामुदायिक संघ हैं जो विभिन्न भारतीय सांस्कृतिक महोत्सवों / कार्यक्रमों को उत्साह के साथ मनाते हैं। बोत्सवाना में भारतीय समुदाय द्वारा जिन प्रमुख सामाजिक - सांस्कृतिक समारोहों का आयोजन किया जाता हैं उनमें होली, राम नवमी, शिवरात्रि, डांडिया, दिवाली, ओणम, दुर्गा पूजा, बैसाखी और गुरु नानक देव जी की वर्षगांठ शामिल हैं। भारतीय सामाजिक – सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भारी भीड़ जमा होती है। एक साईं मंदिर भी है तथा गैबरोन में एक नवनिर्मित इस्कॉन मंदिर है।

21 जून 2015 को आर्ट ऑफ लिविंग सेंटर, गैबरोन के साथ मिलकर गैबरोन में पहला अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया जिसमें विभिन्न देशों के प्रवासियों तथा भारतीय समुदाय सहित स्थानीय लोगों ने भारी मात्रा में भाग लिया।

28 नवंबर 2015 को भारतीय उच्चायोग द्वारा राष्ट्रीय सांप्रदायिक सद्भाव जागरूकता सप्ताह मनाया गया जिसमें भारतीय समुदाय ने भाग लिया तथा सांप्रदायिक सद्भाव की थीम पर बच्चों के लिए निबंध लेखन, कविता पाठ और ड्राइंग की प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं।

भारतीय उच्चायोग ने 9 जनवरी 2016 को प्रवासी भारतीय दिवस मनाया। इस कार्यक्रम में भारतीय समुदाय के प्रख्यात विशेषज्ञों ने भाषण दिए तथा शिक्षा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा नवाचार; नवीकरणीय ऊर्जा; मेडिकल टूरिज्म एवं डायसपोरा के मुद्दों पर प्रस्तुतियां दी गईं।

उपयोगी संसाधन :

भारतीय उच्चायोग, गैबरोन की वेबसाइट :
http://www.hcigaborone.org.bw

* * *

जनवरी, 2016